नैक (NAAC) द्वारा "A" ग्रेड प्राप्त
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा Mahatma Gandhi
Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha (संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997,
क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय) (A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)
जनसंपर्क विभाग- Ph./Fax: 07152-252651 मो.9960562305 इ-मेल: mgahvpro@gmail.com
वेबसाइट : www.hindivishwa.org

हिंदी विश्वविद्यालय के आवासीय लेखक
डॉ. रमेश दवे को दी विदाई

वर्धा, 27 अप्रैल 2016: महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में आवासीय लेखक के रूप में

कार्यरत डॉ. रमेश दवे को विवि की ओर से विदाई दी गयी। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. राजेंद्र प्रसाद मिश्र तथा आवासीय लेखिका एवं कहानीकार चित्रा मुदगल मंचासीन थे। डॉ. दवे तीन फरवरी को विवि में आए थे।

सोमवार को हबीब तनवीर सभागार में डॉ. दवे का साहित्य विद्यापीठ के अधिष्ठाता प्रो. कृष्ण कुमार सिंह ने पुष्पगुच्छ प्रदान कर स्वागत किया। इस अवसर पर डॉ. दवे ने अपने संबोधन में कहा कि उन्होंने विश्वविद्यालय में 47 दिन के

भीतर एक उपन्यास की रचना की। यहां रहकर अनेक विद्यार्थियों से मिलकर उनकी रचनाशिलता और ऊर्जा का अनुभव किया। शिक्षा और साहित्य विभाग में विद्यार्थियों को पढ़ाने का अवसर मुझे मिला। उन्होंने कहा कि गांधी और विनोबा की इस धरती पर मुझे कुछ लिखने और सीखने का जो अनुभव हुआ उसे मुझे जीवन में सकारात्मक ऊर्जा मिली। उन्होंने कहा कि इतने दिनों में मैंने वर्धा डायरी भी लिखी। अपने उपन्यास को उन्होंने रामनाथ का शिक्षानामा नाम दिया। 180 पृष्ठों के इस उपन्यास के कुछ अध्यायों का तथा कविताओं का पाठ भी इस अवसर पर उन्होंने किया।

जनसंचार विभाग के प्रो. अरूण कुमार त्रिपाठी तथा कहानीकार चित्रा मुदगल ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम का संचालन कुलसचिव डॉ. राजेंद्र प्रसाद मिश्र ने किया। समारोह में डॉ. कृपाशंकर चौबे, डॉ. अन्नपूर्णा, डॉ. शोभा पालीवाल, डॉ. धूपनाथ प्रसाद, डॉ. गोपाल ठाकुर, सहायक प्रोफेसर राकेश मिश्र, अमरेंद्र कुमार शर्मा, राजेश यादव, बी. एस. मिरगे सहित अध्यापक, शोधार्थी एवं विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।